



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY.

भाग II—खण्ड ३—उत्तर-खण्ड (i) २७ जनवरी १९७३

PART II—Section 3—Sub-section<sup>\*</sup> (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ८] नई विल्ली, शुक्रवार, जमवारी १२, १९७३/पौष २२, १८९४

No. ८] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 12, 1973/PAUSA 22, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 12th January 1973

**G.S.R. 11(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. 215/72-Central Excises, dated the 21st November, 1972, the Central Government hereby exempts sugar falling under sub-item (1) of Item No. 1 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and produced in a factory which had only a trial run in the base period, from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to forty rupees per quintal on the quantity of sugar produced during the period commencing from the 1st day of October, 1972 and ending with the 30th day of September, 1973:

Provided that the exemption under this notification shall be applicable only to such quantity of sugar as is produced in excess of five thousand metric tonnes:

Provided further that in computing the production of sugar,—

- (a) the data, as furnished in Form R.G.1 prescribed in Appendix I to the Central Excise Rules, 1944, or in such other record as the Collector may prescribe under rule 53 or rule 173G of the said rules, shall be adopted;
- (b) any sugar obtained from reprocessing of sugar-house products left over in process at the end of the base period shall be taken into account;
- (c) any sugar obtained by refining gur or khandsari sugar, or any sugar obtained by reprocessing of defective or damaged sugar or brown sugar, if the same has already been included in the quantity of sugar-produced, shall not be taken into account.

*Explanation.*—For the purposes of this notification,—

- (1) a factory shall be deemed to have had a “trial run” during the base period only if, on first going into production, the period during which actual crushing was done during the base period was less than 40 per cent of the average duration of the season in the State in which the factory is situated,
- (2) “base period” means the period commencing from the 1st day of October, 1971 and ending with the 30th day of September, 1972.

[No. 5/73-CE/F. No. 14/22/72-CX. 1.]

S. R. NARAYANAN, Under Secy.

### वित्त मंत्र लय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई रिली, 12 जनवरी, 1973

स० का० नि० 11(भ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 215/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 नवम्बर, 1972 को अनिहित करते हुए, केन्द्रीय सरकार, ऐसी चीजों के जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 1 की उपमद (1) के प्रनतर्गत आती है, और जिसका उत्पादन ऐसे कारबाहों में किया जाता है जो आधार अवधि में केवल परीक्षण के तौर पर चलाया गया है, उस पर उद्ग्रहणीय उत्तरे उत्पाद शुल्क से एतत्वाग छूट देना है जितना 1 अक्टूबर, 1972 से प्रारम्भ होने वाली और 30 मित्र बर, 1973 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उत्पादित चीजों मात्रा पर आलीस स्पष्ट प्रति किलो के बराबर हो :

परन्तु इस अधिसूचना के अधीन छूट केवल चीजों की उत्तरी मात्रा को लागू होगी जिनमें पाच हजार भीटरी टन में अधिक उत्पादन की गई हो :

परन्तु यह और कि चीजों के उत्पादन की संगणना करने में,—

- (क) ऐसे आकड़े, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के परिशिष्ट 1 में विहित प्रत्येक प्रार०जी० 1 में या ऐसे अन्य अधिलेख में दिए गए हैं जो कलक्षट द्वारा उत्तर नियमों के नियम 53 या नियम 173 के अधीन विहित किया जाए, अपनाए जाएंगे,

(ख) आधार अवधि के अन्त में प्रसंस्करण में बच गये चीनी-गृह-उत्पादों के पुनः प्रसंस्करण से अभिप्राप्त चीनी हिसाब में ली जाएगी।

(ग) यदि इनको उत्पादित चीनी की मात्रा में पहले ही सम्मिलित कर लिया हो तो गड़ या खण्डसारी चीनी के परिष्करण द्वारा अभिप्राप्त चीनी, या खराब या विक्रित चीनी के पुनः प्रसंस्करण द्वारा अभिप्राप्त चीनी या भूरी चीनी हिसाब में नहीं ली जाएगी।

#### स्पष्टीकरण :—

इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

- (1) कोई कारखाना आधार अवधि के दौरान “प्रोक्षण के तौर पर चला गया” तभी समझा जाएगा यदि पहली बार उत्पादन करते समय ऐसे अवधि, जिसके दौरान आधार अवधि में वास्तविक पिराई की गई थी, उस राज्य में जिसमें कारखाना स्थित है, उस मौसम की औसत कालावधि के 40 प्रतिशत से कम थी,
- (2) “आधार अवधि” से 1 अक्टूबर, 1971 से प्रारम्भ होने वाली और 30 सितम्बर, 1972 को समाप्त होने वाली अवधि अभिप्रेत है।

[सं० 5/73/के० उ० श० फा० म० 14/22/72-सी एस-1]

मंत्र० आर० नारायण, अवर मंत्री।

